अक्टूबर से मेट्रो-3 का काम होगा शुरू

चार कंपनियों के साथ करार

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. मेट्रो की सबसे बड़ी परियोजना मेट्रो 3 के कामों को गति मिल गयी है. 33.5 किलोमीटर लम्बे इस प्रोजेक्ट के लिए मुंबई मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड और 4 कंपनियों के बीच करार साइन हुआ. एमएमआरसी एक और कंपनी के साथ जल्द ही करार करेगी. सिविल कांट्रेक्टर का चयन जेआईसीए की गाईड लाइन के तहत किया गया है.

करार पर एमएमआरसी की ओर से हस्ताक्षर करते हुए डायरेक्टर प्रोजेक्ट एस.के. गुप्ता. उनके साथ दिखाई दे रहे हैं डायरेक्टर सिस्टम ए.के. भट्ट, डायरेक्टर प्लानिंग आर. रमाना, मुख्य कार्यकारी डायरेक्टर प्लानिंग आर. के. शर्मा, मुख्य कार्यकारी डायरेक्टर इलेक्ट्रिकल इन्द्रनील सरकार और अन्य अधिकारीगण.

एमएमआरसी ने 18,114.9 करोड़ रुपए का ठेका दिया

- जेआईसीए ने पूरी छानबीन के बाद तय किया है कि किस कंपनी को ठेका देना चाहिए. यह मेट्रो नरीमन पॉइंट से वीकेसी, एयरपोर्ट को जोड़ते हुए एमआईडीसी और सीप्ज तक चलेगी, जो पश्चिम रेलवे के चर्चगेट, मुंबई सेन्ट्रल एवं महालक्ष्मी स्टेशनों को कनेक्ट करेगी.
- वहीं सेन्ट्रल लाइन के सीएसटी की भी कनेक्टिविटी रहेगी. इसके साथ ही महालक्ष्मी में मोनो रेल से कनेक्ट होगी और मरोल नाका में मेट्रो 1 से जुड़ेगी. मेट्रो 3 को पूरा करने के लिए 2021 का लक्ष्य रखा गया है. इस मेट्रो का लाभ 14 लाख यात्रियों को मिलेगा. साल 2031 तक 17 लाख यात्री का बोझ यह मेट्रो उठाएगा. परियोजना में आड़े आ रही 90 फीसदी जमीन को राज्य सरकार ने एमएमआरसी को हस्तांतरित कर दिया है.

मेट्रो के 27 स्टेशन

33.5 किलोमीटर लम्बे इस मेट्रो के 26 स्टेशन अंडरग्राउंड हैं, जबकि 1 स्टेशन बाहर पिलर पर बनेगा. कफ परेड, विधान भवन, चर्चगेट, हुतात्मा चौक, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस मेट्रो, कालबादेवी, गिरगांव, ग्रांट रोड, मुंबई सेन्ट्रल मेट्रो, महालक्ष्मी, विज्ञान संग्रहालय, आचार्य अत्रे चौक, वरली, सिद्धिविनायक, दादर, शीतलादेवी, धारावी, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, विद्यानगरी, सांताक्रुज, राष्ट्रीय हवाई अड्डा, सहार रोड, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, मरोल नाका, मेट्रो लाईन 1, एमआईडीसी, सिप्झ, आरे डिपो.

5 कंपनियों को ठेका

- मेसर्स एल एंड टी-एसटीईसी जेवी को कफ परेड, विधान भवन, चर्चगेट और हुतात्मा चौक के लिए 2988.53 करोड़ का ठेका.
- मेसर्स एचसीसी एमएमएस जेवी को सीएसटी मेट्रो, कालबादेवी, गिरगांव, ग्रांट रोड तक 2521.89 करोड़ का ठेका.
- मेसर्स डीओजीयूएस - एसओएमए को मुंबई सेन्ट्रल, महालक्ष्मी मेट्रो, साईंस म्यूजियम, आचार्य अत्रे चौक, वर्ली तक 2,557.84 करोड़ का ठेका.
- मेसर्स सीईसी -आईटीडी सीईएम टीपीएल जेवी को सिद्धिविनायक, दादर मेट्रो, शीतलादेवी तक 2830.10 करोड़ का ठेका.
- मेसर्स जे. कुमार सीआरटीजी को धरावी, बीकेसी मेट्रो, विद्यानगरी, सान्ताक्रुज तक 2817.02 करोड़ का ठेका.
- मेसर्स जे. कुमार सीआरटीजी को सीएसआईए, सहार रोड, सीएसए इंटरनेशनल तक 2,118.40 करोड़ का ठेका.
- मेसर्स एल एंड टी एसटीईसी जेवी को मरोल नाका, एमआईडीसी, सीप्ज तक 2281.45 करोड़ का ठेका.

तेजी से बढ़ेगा काम

हस्ताक्षर करार होने का मतलब है कि ठेकेदार कंपनियों को हरी झंडी मिल गई है. अब इंतजार है मानसून खत्म होने का, उसके बाद अक्टूबर से काम शुरू हो जाएगा और तेजी से आगे बढ़ेगा.

- अश्विनी भिड़े, महाव्यवस्थापक, एमएमआरसी